

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे
एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)
सत्र - ४
परीक्षा : अप्रैल - २०२६
विषय : आधुनिक काव्य (भाग-२) (HDS - 401)

दि.: २५/०४/२०२६

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'ग्राम्या' में चित्रित ग्राम जीवन के विभिन्न चित्र एवं प्रसंगों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- प्र. २ 'ग्राम्या' काव्य संग्रह में ग्राम जीवन के प्रति कवि के मन की सहानुभूति एवं अवसाद किस प्रकार व्यक्त हुआ है?
- प्र. ३ 'ग्राम्या' काव्यसंग्रह का काव्य कला की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।
- प्र. ४ कवि अज्ञेय जी की पठित काव्य रचनाओं का परिचय दीजिए।
- प्र. ५ कवि रघुवीर सहाय की कविताओं की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ६ 'शमशेर बहादुर की काव्य विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, 'एक नीला आइना बेठोस' कविता का मूल्यांकन कीजिए।
- प्र. ७ डॉ. प्रभाकर माचवे का काव्य संकलन 'जहाँ शब्द है' की कविताओं की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ 'जहाँ शब्द है' कविता संग्रह के भाव पक्ष एवं कला पक्ष की मीमांसा कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।
- १) हाथ जोड़े चौड़े पंजों की गूंथी,
अंगुलियों को कर सन्मुख,
मौन त्रस्त चितवन से कातरवाणी से,
वह कहता निजदुख।
 - २) यहाँ धरा का मुख कुरूप है,
कुत्सित गर्हित जन का जीवन,
सुंदरता का मूल्य वहाँ क्या
जहाँ उदर है क्षुब्ध, नग्न तन?
 - ३) कितनी शांति, कितनी शांति,
क्यों समाहित होती नहीं यहाँ—
आकर मेरे मन की क्रांति?
 - ४) मगर जिंदगी न कभी बासी हुई,
मित्रवर !
वह न कभी बूढ़ी या उदासी हुई,
मित्रवर!
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'रेखाचित्र' कविता का कथ्य
 - २) 'बात बोलेगी' कविता
 - ३) 'पूजा' कविता का व्यंग्य
 - ४) 'जहाँ शब्द है' काव्यसंग्रह में मानव जीवन ।